B.M.A College Baheri Darbhanga (L.N.M.U)
BA (Hons) part-1 पेपर-2 Date 18.9.20
Dr Manoj Kumar Sah
Deptt of Pol-Sci

राजनीतिक, आर्थिक व सैन्य शक्ति

शक्ति का एक अन्य वर्गीकरण राजनीतिक शक्ति, आर्थिक शक्ति के अन्तर्गत आती है। क्योंकि राजनीतिक सत्ता ही उनका नियमन व नियंत्रण करती है, तथापि उनमें कुछ भेद है जिसे समझ लेना आवश्यक है।

राजनीतिक शक्ति का क्षेत्र व्यापक होता है जिसमें आर्थिक व सैनिक शक्ति के रूपों में भी लिया जाता है। आर्थिक व सैनिक शक्तियों के क्षेत्र सीमित व निर्धारित होते हैं। क्षेत्र-सम्बन्धी इस अलगाव के बावजूद भी ये तीनों परस्पर घनिष्ठता से संबद्ध रहती हैं। एक ओर राजनीतिक शक्ति जहाँ आर्थिक व सैनिक शक्ति के रूप का निर्धारित करती है, वहाँ आर्थिक व अर्थव्यवस्था व सैनिक व्यवस्था का नियंत्रण करती है। क्योंकि समाज में सुव्यवस्था रहे, इसके लिए यह आवश्यक है कि राजनीतिक व्यवस्था के साथ-साथ देश की आर्थिक स्थिति छिन्न-भिन्न हो जाने से यह देखा गया है कि उस देश की राजनीतिक शक्ति भी डावांडोल होने लगती है। यह कारण है कि राजनीतिक शक्ति सदा देश की आर्थिक शक्ति को व्यवस्थित बनाये रखने के लिए प्रयत्नशील रहती है। राजनीतिक शक्ति की सुदृढ़ता के लिए सैनिक शक्ति की सुदृढ़ता भी आवश्यक होती है तथा यह भी आवश्यक होता कि राजनीतिक शक्ति सैनिक शक्ति को अपने नियंत्रण में रखे। अनेक देशों में सैनिक शासनों की स्थापना इसी कारण हो जाती है कि उनकी राजनीतिक शक्ति कमजोर हो जाती है और सैनिक शक्ति उसके नियंत्रण से बाहर होकर उसी पर आधिपत्य जमा लेती है।

Scanned with CamScanner